नईदुनिया

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने परिवार के कारोबार का बचाव किया, कहा- बच्चों को करना पड़ता है जाँच का सामना

वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को अपने परिवार के कारोबार का बचाव किया। उन्होंने कहा कि उनके राष्ट्रपति बनने से पहले से ही बच्चे व्यापार के क्षेत्र में हैं। उन्हें कड़ी जांच का सामना करना पड़ता है। ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति का पद इतना ताकतवर होता है कि उनके बच्चे जो कुछ भी करते हैं, उसे हितों का टकराव माना जा सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप की यह टिप्पणी मंगलवार को जारी उनकी 2025 की वार्षिक वित्तीय प्रकटीकरण रिपोर्ट (फाइनेंशियल डिस्क्लोजर रिपोर्ट) के बाद आई है। इस रिपोर्ट से सार्वजनिक हुआ कि व्हाइट हाउस में वापसी के पहले साल 2025 में उन्होंने अपने परिवार से जुड़े क्रिप्टोकरेंसी वेंचर से 580 मिलियन डालर से ज्यादा कमाए।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ओवल आफिस में सीएनबीसी के साथ साक्षात्कार में इस सबके अलावा अन्य मुद्दों पर पर भी बातचीत की।

ट्रंप ने कहा, राष्ट्रपति की नीतियां अर्थव्यवस्था के लगभग हर हिस्से पर असर डालती हैं। बच्चों की अपनी जिंदगी है। क्रिप्टो वेंचर में कुछ भी गैरकानूनी या गलत नहीं हुआ।

उन्होंने हितों के टकराव से जुड़े संघीय कानूनों का जिक्र भी किया। ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति के लिए उन फैसलों से खुद को अलग करना जरूरी नहीं है जो उनके वित्तीय हितों पर असर डाल सकते हैं। ट्रंप ने इसके अलावा उच्चतम न्यायालय, अर्थव्यवस्था, बाजार, ईरान, फेडरल रिजर्व और 2026 के मध्यावधि चुनाव जैसे मुद्दों पर भी बातचीत की।

उनसे उनके पसंदीदा अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम बताने या अमेरिकी इतिहास के किसी खास दौर को अहम मानने के बारे में पूछा गया, तो ट्रंप ने कहा, हमारे यहां कुछ बहुत बुरे राष्ट्रपति भी रहे हैं। इसके बाद उन्होंने उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले का जिक्र किया। इस फैसले को राष्ट्रपति पद को मजबूत करने वाला माना गया है, क्योंकि इसने कमांडर-इन-चीफ को उन स्वतंत्र संघीय एजेंसियों के सदस्यों को हटाने की इजाजत दी जो एग्जीक्यूटिव ब्रांच के तहत काम करती हैं।

ट्रंप ने कहा, इस फैसले ने राष्ट्रपति को बहुत अधिक ताकत दी, लेकिन यह पद हमेशा से मजबूत रहा है। सिर्फ मेरे समय से ही नहीं। इसे सबसे ताकतवर ओहदा माना जाता है। दूसरे देशों के राष्ट्रपतियों के पद को उतना ताकतवर नहीं माना जाता। उन्होंने कहा, एक देश के तौर पर हमारी फिर से इज्जत हो रही है।

न्यूज ब्रीफ

नए राष्ट्रपति विमान की ऐतिहासिक पहली उड़ान, ट्रंप ने की महत्वपूर्ण घोषणा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नार्थ डकोटा यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि उनकी यह यात्रा केवल एक ऐतिहासिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह 37 साल बाद नए सिरे से तैयार किए अमेरिकी राष्ट्रपति के विमान (जिसे आधिकारिक हवाई यातायात नियंत्रण काल चिह्न वायु सेना एक कहा जाता है) की पहली उड़ान भी थी। ट्रंप ने विमान को शानदार और बेहतरीन बताया, जिससे उनका दौरा और भी खास बन गया। नार्थ डकोटा के मेडोरा में समर्थकों को संबोधित कर ट्रंप ने सबसे पहले इस नई उड़ान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, यह 37 साल बाद इस विमान की पहली आधिकारिक उड़ान थी। यह एक बेहतरीन विमान है। उन्होंने थियोडोर रूजवेल्ट को एक बेहद खास व्यक्ति बताया, जिनकी वे लंबे समय से प्रशंसा करते रहे हैं और जिन्हें अपना आदर्श मानते हैं। ट्रंप रूजवेल्ट राष्ट्रपति पुस्तकालय के उद्घाटन समारोह में शामिल होने मेडोरा पहुंचे थे, जहाँ वह इस पुस्तकालय का उद्घाटन करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने। इस भावुक क्षण में, राष्ट्रपति ट्रंप ने श्वेत भवन के रूजवेल्ट कक्ष से थियोडोर रूजवेल्ट का कांग्रेस का सम्मान पदक निकालकर पुस्तकालय को भेंट किया। कार्यक्रम की मेजबानी कर रहे डग बर्गम ने ट्रंप की उपस्थिति को ऐतिहासिक क्षण बताकर कहा कि पुस्तकालय खुलने पर आगंतुक राष्ट्रपति ट्रंप की आवाज में रूजवेल्ट के प्रसिद्ध भाषण अखाड़े में व्यक्ति का अंश सुन सकते है। बर्गम ने ट्रंप को आज के अखाड़े में व्यक्ति कहा। राष्ट्रपति ट्रंप ने नई पुस्तकालय को बेहतरीन संग्रहालय, शानदार पुस्तकालय और उत्कृष्ट केंद्र बताकर इसकी तारीफ की। उन्होंने भविष्यवाणी की कि यह एक बेहद खास और सफल स्थान बनेगा, जिससे उन्हें गहरा लगाव है। इस मौके पर, राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रीय मानविकी कोष के माध्यम से पुस्तकालय की शुरुआती प्रदर्शनियों के लिए 7.5 लाख अमेरिकी मुद्रा इकाइयाँ की संघीय सहायता देने की भी घोषणा की।

66 अरब में चीन ने पहाड़ काट दौड़ा दी 350 किमी/घंटा की रफ्तार से बुलेट ट्रेन

बीजिंग। चीन ने अपने विशाल हाई-स्पीड रेल नेटवर्क में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली नई बुलेट ट्रेन सेवा शुरू की है। यह परियोजना देश के उत्तर-पश्चिमी और मध्य हिस्सों को जोड़ते हुए दुर्गम चिनलिंग पर्वतों से होकर गुजरती है, जिसे चीन के इंजीनियरिंग कौशल का एक और बड़ा प्रमाण माना जा रहा है। इस नई बुलेट ट्रेन सेवा की शुरुआत मंगलवार को शीआन ईस्ट रेलवे स्टेशन से बुलेट ट्रेन जी-3966 के रवाना होने के साथ हुई। यह हाई-स्पीड रेल लाइन शान्शी प्रांत की राजधानी शीआन को हुबेई प्रांत के शियान शहर से जोड़ती है। इस 257 किलोमीटर लंबी रेल लाइन के चालू होने से दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय 6 घंटे से भी अधिक कम हो गया है, जिससे क्षेत्रीय संपर्क में क्रांतिकारी सुधार आएगा। इसके अतिरिक्त, यह नई लाइन पहले से मौजूद वुहान-शियान हाई-स्पीड रेल से भी जुड़ती है, जिससे अब शीआन से वुहान तक का सफर मात्र 2 घंटे 41 मिनट में पूरा किया जा सकेगा।

हंगरी ने भगोड़े पोलिश पूर्व मंत्री की शरणार्थी मान्यता रद्द की

वारसा। पोलैंड सरकार ने गुरुवार को बताया कि हंगरी की नई सरकार ने भगोड़े पूर्व न्याय मंत्री ज़िबग्न्येव

जियोब्रो, उनके पूर्व उपमंत्री मार्सिन रोमानोव्स्की और जियोब्रो की पत्नी पत्रिच्या कोतेत्स्का-जियोब्रो का शरणार्थी दर्जा रद्द कर दिया है। इस फैसले के बाद तीनों अब उन विशेष यात्रा दस्तावेजों का उपयोग नहीं कर सकेंगे, जिनकी मदद से वे हंगरी छोड़कर विदेश गए थे। पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि हंगरी ने न केवल तीनों की शरणार्थी मान्यता समाप्त की है, बल्कि उनके यात्रा दस्तावेज भी अमान्य कर दिए हैं। उन्होंने कहा, न्याय की प्रक्रिया धीमी हो सकती है, लेकिन अंततः न्याय होता है। जियोब्रो और रोमानोव्स्की पर सरकारी अपराध पीड़ित सहायता कोष के धन के कथित राजनीतिक दुरुपयोग सहित सत्ता के दुरुपयोग के कई आरोप हैं। दोनों नेता इन आरोपों को खारिज करते हुए दावा करते हैं कि वे राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हैं और वर्तमान प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के करीबी लोगों के खिलाफ की गई अपनी जांच के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। दोनों नेता 2023 में सत्ता से बाहर हुई ला एंड जस्टिस सरकार में मंत्री रहे थे।

जंग के बीच, रूस की नींद उड़ाने वाला यूक्रेन का सीक्रेट ड्रोन,दुनियाभर में हो रही चर्चा, न नाम, न चेहरा, न फोन नंबर

कीव

रूस की सैन्य अड्डों और तेल रिफाइनरियों पर यूक्रेन द्वारा किए जा रहे लगातार और घातक हमलों ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को तनाव में डाल दिया है। चार साल पहले जिन्होंने सोचा था कि वे कुछ दिनों में कीव पर कब्जा कर लेंगे, आज उसी यूक्रेन की गुप्त ड्रोन इकाइयां रूस के अंदर तक हमला कर रही हैं, जिससे रूस की नींद उड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि इन हमलों को अंजाम देने वाले सैनिक नाम, चेहरा, फोन नंबर... सब कुछ गुप्त रखते हुए लगभग अंधेरे में रहकर काम करते हैं। उनकी जिंदगी जीने का तरीका बेहद अलग है, जो सख्त गोपनीयता के नियमों से बंधा है। खबरों के अनुसार, इस इकाई के एक सदस्य डेनिस (बदला हुआ नाम) 2025 से इन हमलों में शामिल हैं, लेकिन उसके दोस्तों और माता-पिता को भी उसकी असली भूमिका की कोई जानकारी नहीं है। यूनिट के नियम बेहद सख्त हैं। इस यूनिट ने रूस पर कई बड़े हमले किए हैं, जिनमें जून में मास्को की एक तेल रिफाइनरी पर हमला शामिल है, जिससे राजधानी के आसमान में घना काला धुआं छा गया था। इसी तरह, सेंट पीटर्सबर्ग पर भी हमला किया गया था, जब वहां एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन चल रहा था। कीव इन हमलों को मास्को द्वारा यूक्रेनी शहरों पर किए जा रहे रात के बमबारी का उचित जवाब बताता है। यूक्रेन हर हफ्ते रूस के ईंधन डिपो और रिफाइनरियों को निशाना बनाकर मास्को की ऊर्जा आय को कम करने की कोशिश कर रहा है। डेनिस कहते हैं कि वे दुश्मन के लिए बेहद महत्वपूर्ण और प्राथमिकता वाले लक्ष्य हैं, इसलिए गोपनीयता परम आवश्यक है।

इस यूनिट के सदस्यों के नाम, उम्र और चेहरे पूरी तरह गुप्त रखे जाते हैं। उनकी तस्वीरें या वीडियो लेना भी प्रतिबंधित है। वोरोन उपनाम वाले एक सैनिक ने बताया कि वे जानते हैं कि उनके परिवारों और खुद के लिए कितनी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसलिए वे यथासंभव अंधेरे में रहना चुनते हैं। वोरोन पहले चित्रकार और मार्शल आर्ट प्रशिक्षक थे। विवाहित और एक बच्चे के पिता वोरोन कहते हैं कि उनकी पत्नी को उनके काम पर शक तो है, लेकिन वह सवाल नहीं पूछती। उनके परिवार और दोस्त अभी भी मानते हैं कि वह स्पेशल फोर्स में सेवा दे रहे हैं। सैन्य खुफिया के एक अधिकारी ने कहा कि रोजमर्रा की जिंदगी में उन्हें पहचानना मुश्किल है।

दो हंपबैक व्हेल ने 15 हजार किमी यात्रा कर बनाया रिकार्ड

लंदन। ताजा शोध ने समुद्री जीव विज्ञान की कई पुरानी धारणाओं को चुनौती दे दी है। दो हंपबैक व्हेल ने आस्ट्रेलिया और ब्राजील के बीच लगभग 15 हजार किलोमीटर लंबी समुद्री यात्रा पूरी कर एक नया विश्व रिकार्ड स्थापित किया है। इससे पहले किसी भी व्हेल के इतनी अधिक दूरी तय करने का प्रमाण नहीं मिला था। आमतौर पर हंपबैक व्हेल भोजन और प्रजनन के लिए मौसम के अनुसार लंबी यात्राएं करती हैं। वे गर्मियों में ठंडे समुद्री क्षेत्रों में भोजन जुटाती हैं और सर्दियों के दौरान प्रजनन के लिए गर्म समुद्री इलाकों का रुख करती हैं। हालांकि आस्ट्रेलिया से ब्राजील तक महासागर पार करना बेहद दुर्लभ माना जाता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस रिकार्ड ने यह संकेत दिया है कि इन व्हेलों की आवाजाही पहले की तुलना में कहीं अधिक व्यापक हो सकती है। समुद्री जीवों की गतिविधियों पर नजर रखना आसान नहीं होता। इस अध्ययन के लिए वैज्ञानिकों ने पिछले चार दशकों में एकत्र की गई 19 हजार से अधिक हंपबैक व्हेल की तस्वीरों का विश्लेषण किया। इन तस्वीरों को विभिन्न अनुसंधान संस्थानों और नागरिक वैज्ञानिकों ने मिलकर संकलित किया था। इसके बाद विशेष पहचान साफ्टवेयर की सहायता से व्हेल की पूंछ पर बने अनोखे रंगों और पैटर्न का मिलान किया गया। प्रत्येक हंपबैक व्हेल की पूंछ का डिजाइन अलग होता है, जिससे उसकी पहचान संभव हो जाती है। इसी तकनीक से पुष्टि हुई कि आस्ट्रेलिया और ब्राजील में दिखाई देने वाली दोनों व्हेल वास्तव में वही थीं। शोधकर्ताओं के अनुसार अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन व्हेलों ने समुद्र में कौन-सा मार्ग अपनाया। उपलब्ध तस्वीरें केवल उनकी यात्रा के शुरुआती और अंतिम स्थानों की जानकारी देती हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि संभवतः दोनों व्हेल किसी साझा भोजन क्षेत्र में दूसरी आबादी की व्हेलों से मिली होंगी और बाद में अपने पुराने प्रजनन क्षेत्र में लौटने के बजाय नए मार्ग पर आगे बढ़ गईं। विशेषज्ञों का मानना है कि दक्षिणी गोलार्ध में विशाल खुला महासागर इस तरह की लंबी यात्राओं को संभव बनाता है, जबकि उत्तरी गोलार्ध में बड़े महाद्वीप ऐसे मार्गों में बाधा बनते हैं। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन और समुद्र के बढ़ते तापमान के कारण भोजन के स्रोत तथा प्रवास के पारंपरिक रास्तों में भी बदलाव आ सकता है।

स्विफ्ट टेलीस्कोप को बचाने का 30 अरब डालर खर्च करेगा नासा

वाशिंगटन

नेशनल एयरोनाटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने अंतरिक्ष में अपने स्विफ्ट टेलीस्कोप को बचाने के लिए एक बचाव अभियान शुरू किया है। नासा का यह स्विफ्ट टेलीस्कोप अब पृथ्वी पर गिरने की कगार पर है। अंतरिक्ष में लगभग दो दशकों से ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर कर रहे इस महत्वपूर्ण बूढ़े योद्धा को बचाने में लगभग 30 अरब डालर का अनुमानित खर्च आएगा। 2004 में लान्च किया गया स्विफ्ट आब्जर्वेटरी, ब्रह्मांड में गामा-रे बर्स्ट - जो सबसे शक्तिशाली विस्फोट माने जाते हैं और अन्य जटिल ब्रह्मांडीय घटनाओं का अध्ययन करता है। यह उपग्रह लगातार नासा के वैज्ञानिकों को मूल्यवान और आवश्यक जानकारियां प्रदान करता रहा है, जिससे अंतरिक्ष विज्ञान में कई महत्वपूर्ण खोजें संभव हो पाई हैं। यही कारण है कि नासा इसे खोना नहीं चाहता है और इस पर इतना बड़ा निवेश करने को तैयार है। स्विफ्ट टेलीस्कोप अपनी उम्र के कारण अब नीचे की ओर गिरना शुरू हो गया है। इसके सौर पैनलों की बैटरी कमजोर हो गई है, और तेज सौर गतिविधि ने भी इसकी कक्षा को प्रभावित किया है। यदि इसे जल्द ही ऊंची और सुरक्षित कक्षा में नहीं भेजा गया, तो यह पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर जलकर राख हो सकता है। इसे जल्दी से ऊंची कक्षा में पहुंचाना बेहद जरूरी हो गया है ताकि यह अपना काम जारी रख सके। इस बचाव अभियान के तहत, नासा ने कैटालिस्ट स्पेस टेक्नोलाजीज को स्विफ्ट को ऊंची कक्षा में ले जाने के लिए एक बूस्टर देने का काम सौंपा है। इसके लिए नासा पेगासस राकेट का उपयोग करेगा, जिसे एक विशेष विमान से लान्च किया जाएगा। यह पहला ऐसा मिशन होगा जिसमें किसी पुराने लेकिन अभी भी कार्यशील उपग्रह को बचाने के लिए इस तरह के स्पेस रोबोट या स्पेसक्राफ्ट का इस्तेमाल किया जाएगा। नासा के लिए यह एक महंगा लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण मिशन है। बूढ़े योद्धा स्विफ्ट अभी भी उत्कृष्ट ढंग से काम कर रहा है और ब्रह्मांड के सबसे शक्तिशाली विस्फोटों का पता लगाने में सक्षम है, जिससे उसकी निरंतर उपयोगिता सिद्ध होती है। नासा के विज्ञान प्रमुख निक फाक्स ने इस पर जोर देते हुए कहा है, स्विफ्ट हमें बहुत महत्वपूर्ण जानकारी देता है। हम इसे खोना नहीं चाहते। यह बचाव अभियान अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है, हालांकि स्विफ्ट को सितंबर तक वापस लौटना पड़ सकता है, इसलिए इसे जल्दी शुरू किया जा रहा है।

ब्रह्मांड संभवतः हर दिशा में एक जैसा नहीं है: अध्ययन

लंदन। डार्क एनर्जी स्पेक्ट्रोस्कोपिक इंस्ट्रूमेंट (डीईएसआई) से प्राप्त ताजा आंकड़ों के विश्लेषण के बाद शोधकर्ताओं का दावा है कि ब्रह्मांड संभवतः हर दिशा में एक जैसा नहीं है। यदि यह निष्कर्ष आगे के अध्ययनों में भी सही साबित होता है, तो आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान के कई स्थापित सिद्धांतों की दोबारा समीक्षा करनी पड़ सकती है। ब्रह्मांड की संरचना को लेकर वैज्ञानिकों के बीच लंबे समय से चली आ रही मान्यताओं पर एक नए शोध ने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। डीईएसआई परियोजना ने लगभग 11 अरब प्रकाश-वर्ष दूर स्थित 4.7 करोड़ आकाशगंगाओं का अत्यंत विस्तृत मानचित्र तैयार किया है। इसी विशाल डेटा का अध्ययन खगोल वैज्ञानिक फ्रांसिस्को साइलोस लाबिनी और मार्को गैलोप्पो ने किया। उनके निष्कर्ष प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका नेचर में प्रकाशित हुए हैं, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक समुदाय में नई बहस शुरू हो गई है। शोधकर्ताओं का मानना है कि ब्रह्मांड की संरचना हमारी अब तक की समझ से कहीं अधिक जटिल हो सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, छोटी दूरी पर देखने पर आकाशगंगाओं का वितरण असमान दिखाई देता है। कहीं विशाल खाली क्षेत्र नजर आते हैं तो कहीं आकाशगंगाओं के बड़े-बड़े समूह दिखाई देते हैं। इस विशेषता को वैज्ञानिक भाषा में एनीसोट्रापी कहा जाता है।

चीनी प्रेम में ट्रंप ने खेला खेल, इंडो पैसिफिक से इंडो शब्द को हटाया

वाशिंगटन चीन के साथ टकराव कम करने की नीति अपना रहा

वाशिंगटन

अमेरिका की विदेश और रक्षा रणनीति दस्तावेज से एक छोटा-सा शब्द हटाना भी बड़े भू-राजनीतिक संकेत देता है। इसी कारण हाल के दिनों में अमेरिकी प्रशासन के कुछ आधिकारिक दस्तावेजों में इंडो-पैसिफिक की जगह केवल पैसिफिक शब्द का इस्तेमाल चर्चा का विषय बना हुआ है। पहली नजर में यह महज एक शब्द का हटाया जाना भर है लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में इसके गहरे मायने हैं। यही वजह है कि इस बदलाव को चीन, भारत, जापान और पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति-संतुलन की राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक करीब एक दशक पहले तक दुनिया इस क्षेत्र को मुख्य रूप से एशिया-पैसिफिक कहती थी, लेकिन भारत के बढ़ते आर्थिक, सामरिक और समुद्री प्रभाव को देखते हुए जापान ने सबसे पहले इंडो-पैसिफिक की अवधारणा को प्रमुखता से आगे बढ़ाया। बाद में अमेरिका, आस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों ने भी इसी शब्द को अपनी आधिकारिक रणनीति का हिस्सा बना लिया। इसका सीधा संदेश था कि हिंद महासागर और प्रशांत महासागर अब अलग-अलग नहीं, बल्कि एक साझा सामरिक क्षेत्र हैं

और भारत इस पूरे क्षेत्र की सुरक्षा, व्यापार और समुद्री संतुलन का प्रमुख स्तंभ है। यदि अमेरिकी प्रशासन आधिकारिक भाषा में लगातार इंडो-पैसिफिक की जगह केवल पैसिफिक का इस्तेमाल करता है, तो इसे केवल भाषाई बदलाव नहीं माना जाएगा। इसका राजनीतिक संदेश यह हो सकता है कि वाशिंगटन फिलहाल चीन के साथ टकराव कम करने की नीति अपना रहा है। ट्रंप लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि अमेरिका को चीन के साथ प्रतिस्पर्धा तो करनी चाहिए, लेकिन अनावश्यक टकराव से बचना भी जरूरी है। ऐसे में कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि इंडो शब्द हटाना चीन को यह संदेश देने की कोशिश है कि अमेरिका उस रणनीतिक ढांचे को कुछ हद तक नरम करना चाहता है, जिसे बीजिंग लंबे समय से चीन को घेरने की कोशिश बताता रहा है। हालांकि, केवल शब्द बदलने से अमेरिका की पूरी सामरिक नीति बदल गई है, ऐसा निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। वास्तविक आकलन अमेरिका की सैन्य तैनाती, साझेदारियों और नीतिगत फैसलों से ही होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन लंबे समय से इंडो-पैसिफिक रणनीति का विरोध करता रहा है। उसका आरोप है कि यह अवधारणा अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया के जरिए चीन को संतुलित या सीमित करने का प्रयास है।

ईरान में खामेनेई के ताबूत पर रखा गया खास लाल झंडा, पहली बार नजर आए आईआरजीसी के नए कमांडर अहमद वाहिदी

तेहरान

ईरान में इस साल 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई में मारे गए देश के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में शुरू हो गई हैं। खामेनेई के ताबूत के पास एक खास लाल झंडा रखा गया है। दिवंगत नेता के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम शुरू होने से पहले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) के नए कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आए।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका से युद्ध के बाद आईआरजीसी के कमांडर अहमद वाहिदी पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए। उन्हें रात को अयातुल्ला खामेनेई के अंतिम संस्कार जुलूस (जो 4 जुलाई से शुरू होगा) से पहले उनके ताबूत के पास देखा गया। तेहरान में हुसैनी इमाम खुमैनी के पास विदाई समारोह के लिए अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर पहुंच गया है। हुसैनी

इमाम खुमैनी तेहरान में स्थित एक प्रमुख धार्मिक और राजनीतिक सभा स्थल है। अली खामेनेई ने तीन दशकों से ज्यादा समय तक देश का नेतृत्व किया है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स के नए प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी ने पूर्ववर्ती मोहम्मद पाकपौर की जगह ली है। पाकपौर ईरान पर शुरुआती अमेरिकी-इजराइली हमलों में मारे गए थे। वाहिदी ने गुरुवार रात पूर्व सर्वोच्च नेता खामेनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में हिस्सा लिया। 1970 के दशक के आखिर में आईआरजीसी की शुरुआत से ही उससे जुड़े रहे वाहिदी 1980 के दशक में ऊंचे पदों पर पहुंचे और खुफिया व सैन्य विभागों में अहम भूमिकाएं निभाईं। उन्होंने 1988 से 1997 तक कुद्स फोर्स का नेतृत्व किया। बाद में वाहिदी ने यह भूमिका ईरान के मशहूर कमांडर कासिम सुलेमानी को सौंप दी। सुलेमानी 2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर हुए हवाई हमले में मारे गए। दिसंबर 2025 में सर्वोच्च नेता खामेनेई ने वाहिदी को आईआरजीसी का उप प्रमुख नियुक्त किया। वाहिदी ने वरिष्ठ राजनीतिक भूमिकाएं भी निभाई हैं। वह पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद के कार्यकाल में रक्षामंत्री और फिर दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के कार्यकाल में गृहमंत्री रहे। दिवंगत सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के ताबूत पर इमाम रजा दरगाह का खास लाल झंडा रखा गया है। जार्जटाउन यूनिवर्सिटी में मध्य पूर्व और इस्लामी राजनीति के एसोसिएट प्रोफेसर नादेर हाशमी का मानना है कि लाल झंडा हुसैन इब्न अली के बलिदान का प्रतीक है। हुसैन इब्न अली पैगंबर मोहम्मद के पोते हैं। वह कर्बला की लड़ाई में मारे गए थे। हाशमी ने कहा, कर्बला की लड़ाई में उनकी मौत और शहादत शिया मुसलमानों के लिए एक महत्वपूर्ण नैतिक संदर्भ बिंदु है। इसीलिए इस्लामिक गणराज्य ईरान अपने सर्वोच्च नेता की अमेरिकी और इजराइली हमले में हुई मौत की तुलना उनसे करने की कोशिश कर रहा है।